

Seat No. : \_\_\_\_\_

# XR-114-H

B.A. (Sem. II)

April-2013

## Core 112, Psychology (Psychology & Effective Behaviour)

Time : 3 Hours]

[Max. Marks : 70

Hindi Version

सूचना : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

१. (अ) व्यवसाय से संबंधित बदलते दृष्टि बिन्दुओं को समझाइये । ७  
अथवा  
कैरियर आयोजन के घटक के रूप में व्यावसायिक माहिती की चर्चा कीजिये ।
- (ब) प्रभावशाली शिक्षण के घटक के रूप में सीखने वाले व्यक्ति की चर्चा कीजिये । ७  
अथवा  
प्रभावशाली शिक्षण के घटक के रूप में सीखने की पद्धति की चर्चा कीजिये ।
२. (अ) आवेगों की अभिव्यक्ति एवं नियंत्रण के पैटर्न की चर्चा कीजिये । ७  
अथवा  
आवेगों को समझने तथा उनके साथ काम पूर्ण करने के लिए क्या करना चाहिए ? समझाइये ।
- (ब) अच्छे अन्तरवैयक्तिक संबंधों के आधार के रूप में “दूसरों के अधिकार एवं स्वतंत्रता का स्वीकार” और ‘हेतु की समानता’ की चर्चा कीजिये । ७  
अथवा  
सामाजिक क्षमता सुधारने की दृष्टि से “स्वयं की मूल्यनिष्ठा का सम्पोषण” की चर्चा कीजिये ।
३. संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिये । (कोई चार) १६  
(१) वास्तविक पसंदगी का सोपान  
(२) सामाजिक रूप से लाभवंचित कर्मचारी  
(३) सीखने में इनाम व दण्ड की भूमिका  
(४) सर्जक लोगों के लक्षण  
(५) हास्यवृत्ति बनाये रखना  
(६) पारस्परिक जिम्मेदारी
४. एक या दो वाक्यों में उत्तर दीजिये : १२  
(१) कैरियर आयोजन की अस्थायी अवधि किसे कहते हैं ?  
(२) ‘विवाह-कैरियर उपहास’ का अर्थ समझाइये ।  
(३) शिक्षण कार्य का प्रकार शिक्षण प्रक्रिया को किस प्रकार प्रभावित करता है ?  
(४) सर्जनात्मक विचार के पाँच सोपानों के नाम लिखिये ।  
(५) अभिसंधान नाबूदी किसे कहते हैं ?  
(६) I-Thou (“मैं-आप”) संबंधों का अर्थ स्पष्ट कीजिये ।

५. कोष्ठकों में दिये विकल्पों में से सही विकल्प पसंद करके रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये : १४
- (१) कैरियर आयोजन के \_\_\_\_\_ अवधि में वास्तविकता को लक्ष में नहीं लिया जाता । (अस्थायी, मौज)
  - (२) कैरियर आयोजन करते समय व्यक्ति को समझना पड़ता है कि उसकी शक्ति और साधन किस प्रकार से उसकी पसंदगी को \_\_\_\_\_ करते हैं । (मर्यादित, परिवर्तित)
  - (३) कुछ व्यक्ति \_\_\_\_\_ अन्तर्गत काम करते हैं तो दूसरे अधिक आरामदायी ढंग से । ( ( भय, दबाव)
  - (४) एस्टिन और निकोल्स के अनुसार व्यक्ति की व्यावसायिक पसंदगी का आधार \_\_\_\_\_ घटकों पर निर्भर है । (छः, दो)
  - (५) सीखने की सामग्री का प्रमाण जितना कम हो शिक्षणकार्य उतना ही अधिक \_\_\_\_\_ बनता है । (रसप्रद, सरल)
  - (६) सीखने की प्रेरणा मंद हो तो भी शिक्षण सामग्री की \_\_\_\_\_ शिक्षण प्रक्रिया को प्रोत्साहित करती है । (परिचितता, विविधता)
  - (७) जिस शिक्षक के मुद्दों (Points) के प्रस्तुतीकरण में \_\_\_\_\_ का अभाव हो तो उसको सुनना विद्यार्थियों के लिए हताशाजनक है । (पुनरावर्तन, स्पष्टता)
  - (८) \_\_\_\_\_ के ज्ञान की गैर-हाजरी की विपरीत असर सीखने वाले व्यक्ति की प्रेरणा, आत्मविश्वास और सीखने की कुशलता पर पड़ती है । (परिणाम, स्व)
  - (९) \_\_\_\_\_ आवेग विकसित करने के लिए आपको ऐसी प्रवृत्तियाँ पसंद करनी होंगी जिससे आपको अधिक संतोष हो । (विधायक, तीव्र)
  - (१०) आपकी समस्याओं को आपको अधिक आशावाद या निराशावाद के बिना \_\_\_\_\_ रीति से देखनी चाहिए । (जटिल, वास्तविक)
  - (११) आवेगों की अभिव्यक्ति से \_\_\_\_\_ होता है । (संघर्ष, भावविरेचन)
  - (१२) जब आप अपने \_\_\_\_\_ उद्दीपक मूल्य से अनजान होते हो तब आप दूसरों का आपके प्रति व्यवहार नहीं समझ सकते । (नकारात्मक, साधारण)
  - (१३) प्रत्येक व्यक्ति अपनी स्वयं की \_\_\_\_\_ शैली (Style) रखता है । (शैक्षणिक, अन्तरवैयक्तिक)
  - (१४) \_\_\_\_\_ द्वारा आप दूसरों की इच्छाओं तथा चिन्ताओं को समझ सकते हैं । (धीरज, परानुभूति)

\_\_\_\_\_